

सियासी बिसात पर शिवसेना के सामने पहचान का संकट, भाजपा

पता नहीं किसने कहा, लेकिन महाराष्ट्र की सत्ता-पक्ष को लेकर किसी ने यह अवश्य कहा कि यह सब बाबू 'भोले की कृपा' है कि बालीसा के दिनों में बालीस इधर आ गए! आप लाख कोसें कि महाविकास आधारी सरकार को भाजपा ने साजिश राकर गिराया। पहले ईडी, सीरीआई से डराया। जो उन्होंने वे सरकार के विरोध में आ गए और भाजपा ने सरकार तोड़ते अपनी पिंडी सीएम लेकर अपनी उदारता का पार्खें रख रही हैं... लेकिन जो हुआ उसे एक दिन तो होना था!



हमारा माना है कि उद्धव सरकार को भाजपा ने नहीं मियाया, मियाया तो बाला साहब के 'हिंदुत्व के विचार की बापसी' ने मियाया। शिंदे ने बार-बार कहा कि हम सरकार में बाला साहब ठाकरे के हिंदुत्व को बहानी बाते हैं, जिसे जिसको बजह से शिवसेना की पहचान संकट में है, उसके हिंदुत्व का विचार संकट में है। वह भी कांग्रेस-एसीपी जैसी बीनी जा रही है। इस कारण जमीनी शिवसेना कार्यकर्ता परेशन है। विधायक परेशन है कि अब क्या मुंह लेकर जनता के बीच जाए?

शिंदे के समर्थकोंने तो उद्धव को संकट भी दिया कि क्या जी, नीचे आग लगी है, कुरी करिए! साक है, महाराष्ट्र में जिसने कुरी की लड़ाई दिखती है, उससे अधिक वह एक विचारधाराम्भक लड़ाई भी रही है, जिसके केंद्र में

बाला साहब के इतिहास को जानने वाले जानते हैं कि हिंदुत्व का पहला खुला और उग्रतापूर्ण दावा यदि किसी ने किया, तो बाला साहब ठाकरे ने ही किया। शिवसेना इसी हिंदुत्व के एक्शन का 'ब्रांड प्रोडक्ट' था। बाला साहब वीर सावरकर के जीवन और उनके हिंदुत्व के एक्शन का 'ब्रांड प्रोडक्ट' था।

बाला साहब के विचार से खास प्रेरित थे।

बाला साहब का 'हिंदुत्वावाद' है और अब उसी ने पलटकर उद्धव को देखा और हटाया है। इसनिए और अब उसी ने पलटकर उद्धव

कई बार संघ और भाजपा तक श्रीहीने से दिखा करते थे। उदाहरण के लिए, पाकिस्तान को टीम दिल्ली 'हिंदुत्वावादी' पार्टी है, क्योंकि दोनों में मैच खेलने वाली है कि आदेश होता है कि 'पिच' खेल दो और शिवसेना कार्यकर्ता गतोंसे पिच खो देते हैं। बाद में कांग्रेस-कांग्रेस खो होती है, तो हांती रहे। वेदधंड बाला साहब ठाकरे के डॉका नाम किया, तो बाला साहब ठाकरे ने ही रहे और उनका डर ही रूल करता था। शिवसेना उस डॉका और वेसे एक्शन का प्रतीक थी। महाराष्ट्र में सरकार के लिए एक समान हुआ समझते हैं। उद्धव शिवसेना की हिंदुत्वावादी पहचान ही खम्भ हुई जा रही है। स्वर्धमासिक जातंत्र में अगर एक बार आपको पहचान में पानी मिलता है, तो पर्यावरण के लिए आप को बेहतान हुआ समझते हैं। उद्धव शिवसेना की पहचान के इस पांचों नुकसान को समझ न पाए। वह 'संयुक्त मोर्चा सरकार' चलाने की ओर कुटुंब नीति यांती यांती 'यूनिटी स्ट्रेगी यूनिटी' की नीति से अनुभिज्ञ ही रहे, जो कही है कि 'दूसरों की स्पार्ट' के नाम पर जीती थी, वही खत्ते में अपनी बहाओं, अपनी कीमत पर दूसरों को न बढ़ावे दो।'

सुधीश पचौरी

संपादकीय

श्रीलंका की लाचारी

श्रीलंका की स्थिति कहाँ ज्यादा गंभीर है। समस्या सिर्फ यह नहीं है कि यहां जल्दी चीजों का अभाव है। बल्कि असल बात है कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ध्वन्त हो चुकी है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री राजिन विक्रमसिंह ने पिछले दिनों अपनी लाचारी जताई। मुस्किन है कि यह उक्त कार्यालयी दावा है, लेकिन उनके बयान ने देश को और भव्यभीत कर दिया है। विक्रमसिंह ने कहा कि श्रीलंका की स्थिति उससे कहाँ ज्यादा गंभीर है, जिसने आप तांत्र पर रखी रखा है कि यहां जल्दी चीजों का अभाव है। बल्कि असल बात है कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ध्वन्त हो चुकी है। जारी है, देश के बेंच लोग उसे जावां मांग रहे हैं। तो ये जवाब उड़ाने इस रूप में दिया। उड़ाने रणनीति अपनाई कि अपनी जांच-एक्शन में समय सिर्फ वह नहीं है कि यहां जल्दी चीजों का अभाव है। बल्कि विक्रमसिंह को प्रधानमंत्री बनने से बाला महाराज ने जल्दी चीजों का अभाव रखा है। ताकि दिक्कों को दूर कर पाने की उनकी नाकामी पर लोग सबाल खड़े ना करें। हफ्तों की वही तरह कर रही है कि देश की स्थिति में तनिक भी सुधार नहीं हुआ है। दरअसल, आर्थिक संकट का खतरा असर अब मध्य वर्ष पर भी दिखने लगा है। गर्भवत तबकों के खुवामी का शिकायत हो रही थीं और आच मध्य वर्ष तक पहुंच रही है। खुद श्रीलंका के विशेषज्ञोंने कहा है कि मध्य वर्ष को इस समय ऐसा धक्का लगा है, जैसा पिछले तीन दशक में कभी नहीं हुआ। विशेषज्ञों के मुताबिक श्रीलंका की दो करोड़ 20 लाख आबादी का 15 से 20 फीसदी हिस्सा मध्य वर्ष में शामिल माना जाता है।

भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पार्टी की नेता द्वारा पुरुष का राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है। पूरे देश में इस बात की चर्चा हो रही है कि देश में पहली बार कोई अदिवासीरासी राष्ट्रपति बनेगा और वह भी महिला।

आदिवासीरासी यह सचयुक्त गर्व और संतोष करने वाली बात है कि देश के सबसे हाशिए पर के समूह का कार्यालय व्यक्ति देश के सर्वोच्च संघीय कार्यकारी दल के संसदीय पर भर्ती हो रही है। उजाड़ का घने जंगलों में चल ही रही एसीपी कोई भी उम्मीदवार करना बेमानी है।

इससे पहले भाजपा ने उत्तर प्रदेश के दलील समूदायक विकास के लिए अधिकारी मान लिया जाएगा। क्या उनके घर उजाड़ का घने जंगलों में चल ही रही माझिनों बंद हो जाएगी? एसीपी कोई भी उम्मीदवार करना बेमानी है।

इससे पहले भाजपा ने उत्तर प्रदेश के दलील समूदायक विकास के लिए अधिकारी मान लिया जाएगा। क्या उनके घर उजाड़ का घने जंगलों में चल ही रही माझिनों बंद हो जाएगी? एसीपी कोई भी उम्मीदवार करना बेमानी है।



यानी दलित और आदिवासी से सिर्फ प्रतीकात्मक महत्व है, जिसका गणनीयता देखना चाहिए।

यानी दलित और आदिवासी से पहले भाजपा ने मुस्लिम राष्ट्रपति बनवाया। लेकिन व्या देश में उससे मुसलमानों की स्थिति में कोई सुधार होता है। देश के जिनसे पाना चलता है, कि भारत में मुसलमान की स्थिति छोड़ देखा भाजपा का मुसलमानों के प्रति नजरिया बदलता है। पहला मोर्चा मिलने पर मुस्लिम राष्ट्रपति बनवाने वाली भाजपा है। लाभाभ मुस्लिम राष्ट्रपति बनवाने के लिए जाताया जा रहा है। केरल के तरह से फैसला करते हैं और उनके मुख्य सरकार का अधिकारी देखने के लिए चाहिए। तो वह बंद कर देता है। उसे एक दिन इलाहाम होता है कि सवा दो सौ साल से सेना में जिस तरीके से भर्ती हो रही थी और उनसे खर्च बहुत बढ़ता है। इसलिए बिना में जाने से अपनी बहाओं को बहाओं के लिए एक दूसरे की ओर देखना चाहिए।

देश के एक दर्जन राज्यों में भाजपा की सरकार है लेकिन कुल सरकारों को मिला कर सिर्फ एक मुस्लिम मंत्री है, जिन्हें आगे महसूल मिलता है। उसे एक मुस्लिम विकास को खलनायक बनाने में लाभ होता है। उसके बाद एक दर्जन राज्यों में भाजपा की अधिकारी देखने के लिए एक मुस्लिम मंत्री है। जिस तरीके से अपनी बहाओं को बहाओं के लिए एक दूसरे की ओर देखना चाहिए। तो वह इसका फैसला कर देता है।

हरिशंकर व्यास

मिला जुला

कुछ दिनों की खामोशी के बाद रूस ने फिर बोला यूक्रेन पर हमला, 21 की मौत

महीने से चल रहा विनाशकारी युद्ध लगातार धातक होता जा रहा है।



यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने इस हमले के बारे में विवादार से जानकारी दी। यूक्रेन ने कि रूसी बमवर्षक विमानों ने यूक्रेन का एक दर्शनी-22 मिसाइलें दागी, ये मिसाइलें एक बिल्डिंग और 2 राहत के लिए पर्याप्त हैं। यूक्रेन की मौतों की मीडिया के मुताबिक यूक्रेन में कई बच्चों से मरणों के बारे में रिपोर्ट हैं। यूक्रेन के बच्चों से मरणों के बारे में रिपोर्ट हैं।

स्नेक आईलैंड से पीछे हटा रूस

इस हमले से पहले रूस के लिए नेताओं ने काला सागर के लिए विशेषज्ञों को स्नेक आईलैंड को खाली कर दिया था। रूस ने इसे सदन्यावना सेकेन बताया था। वही यूक्रेनी सेना ने दावा किया था कि उसके मिसाइल हमलों से डरकर रूसी रेनील 2 स्प्रीड बोट में बैठकर वहां से भाग गए। रूस के स्नेक आईलैंड से हटा जाने के बाद यूक्रेन ने राहत की सूसंग देखा था।

रूसी रेनील 2 स्प्रीड बोट को यूक्रेनी सेना ने देखा था।

IG-SP के बाद 4 पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई



हत्या की धमकी देने वालों की धरपकड़ शुरू

उद्धर, कार्हेयालाल हत्याकांड में राजस्थान सरकार ने एसीपी और आईजी को हमारे जाने के बाद चार बोले मिली थीं और बार-बार उसी तरह धर्मांकियों को संप्रेषण कर दिया है। डीजीपी एमएल लातर ने अदेश जारी कर एसीपी सिर्फी अपार्टमेंट मीडिया सेनानी नामी

उदयपुर हत्याकांड के खिलाफ दूर्ग रघु स्वस्फुर्त बंद

दुर्ग। राजस्थान के
उदयपुर में टेलर
कन्हैयालाल की
निर्दयतापूर्वक हत्या के
विरोध में विश्व हिन्दू
परिषद और बजरंग
दल के प्रदेशव्यापी बंद
के आह्वान का
शनिवार को दुर्ग जिले
के शहरी व ग्रामीण
इलाके में व्यापक
असर रहा।



किलनिक, मेडिकल स्टोर्स व अन्य सेवाओं को हुट दी गई थी। विहिप व बजरंग दल के बंद के आह्वान को भाजपा, छत्तीसगढ़ चैम्बर औफ कार्मस के अलावा हिन्दूता संगठनों ने समर्थन दिया था। दुर्ग शहर में इन संगठनों के बंद समर्थक सुबह से ही जागाजां में सक्रिय हो गए थे। अधिकारों बड़े मार्केटों के व्यापारियों ने उदयपुर हत्याकांड पर अपनी संवेदना जताते हुए स्वसंतुष्ट अपनी प्रतिष्ठानों बंद रखी। कुछ क्षेत्रों में कुछ व्यापारियों द्वारा दुकान का संचालन किया जा रहा था। ऐसे व्यापारियों को बंद समर्थकों ने समझाइश देकर दुकानें बंद करवाई। बंद से दुर्ग शहर के प्रमुख व्यवसायिक क्षेत्र ईंदिरा मार्केट में स्थायी पसरा वाला इसके अलावा हरियाणा राज, पुनराय बस स्टैंड, गंजाराया, फरिशाना काम्पलेक्स पचरीपारा, पोलसायापारा, अपरसेन चौक, रेल्वे स्टेशन चौक, सिंधी कालोनी चौक, कसारीडीह चौक,

साहू, दीपक चोपड़ा, राहुल पंडित, महेश्या यादव, शिवेन्द्र सिंह परिहार, जवाहर लाल जैन, सतविंद्र सिंह, राजा यादव, राजा महाराजिया, मनोज शर्मा, यशोपाल गुप्ता, अजय तिवारी, हट्टरी बाजार व्यापारी, संगठन अध्यक्ष पवन बडजात्या, महाविर लोदी, विजय कल्याण, जितेन्द्र कश्यप, छोटीसागढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स के प्रदेश मंत्री अशोक राठी, बजरंग दल के रवि निगम, अनिल सिंह, गौतम जैन, कमल साव, अजय सेन, कुशल शर्मा, अंतिश गोर, अद्यूर्व सिंह के अलावा अन्य हिन्दूवादी संगठनों के कार्यकारी संस्थान रहे। बंद दौरान बंद समर्थकों में उदयपुर भट्टा के खिलाफ सुसान समर्थन नजर आ रहा था। उक्का यह गुस्साए लगातार उक्के नेबाजी से समाप्त आ रहा था। बंद समर्थकों द्वारा हत्याकांड के दोषियों को फांसी से को सजा देने की मांग की गई है।

उदयपुर की घटना के विरोध में फरसगांव क्षेत्र रहा बंद



फरसगांव। उदयपुर में हुई घटना के विरोध में विकासखंड मुख्यालय फरसगांव व ग्रामीण अंचलों में बंद व्यापक का असर दिखाई दिया बंद दौरान पुलिस के द्वारा सुरक्षा के इंतजाम किये गये थे शांति पूर्ण बंद रहा ब्लाक मुख्यालय फरसगांव के साथ साथ ग्रामीण अंचल क्षेत्रों में बंद का असर दिखाई दिया वही बजरंग दल के कार्यकार्ताओं ने उदयपुर में हुई घटना के विरोध में नरे बाजी की वही फरसगांव नगर में स्थानीय दुकान सचावांकों के द्वारा स्वतंत्र बन्द किया गया नारीय क्षेत्र के चौक चौराहों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस विभाग के द्वारा लगातार पेट्रोलिनिंग की जा रही थी और पुलिस बल भी तैनात किया गया ।

ट्रक चालक की हत्या करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़ । जिले के तिलगा घाट के पास 24 जून को हुई टक डाक्टर की हत्या के मामले में पुलिस ने झारखंड के तीन आरोपियों के प्रियपत्तर कागदी बताया गया है। आरोपियों ने लूट के द्वारा से किए हत्याकांड को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो दसी कट्टा, एक चाकू जब्त किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार 24 जून को टक चालक मंतोंवाडा दुड़े की धारादर हथियार से हत्या की गई थी। जिसकी पुलिस जांच कर रही थी। मामले में पुलिस ने इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले तीन आरोपी खुशीद आलम, नदीम अंसारी तथा सद्गम को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस से ताकाता कि नदीम अंसारी और सद्गम दोनों रायगढ़ में टक-टेलर चालाया रहे थे। दोनों ने अपने गाव के खुशीद आलम को रायगढ़ बुला कर लूटपाट की योजना बनाई थी, जिसके लिए झारखंड से दसी कट्टा खरीद कर रायगढ़ लाने की कहा था। 15 जून को खुशीद आलम के रायगढ़ दोनों के बाद तीनों एक साथ रह रहे थे। 24 जून को तीनों आरोपी रायगढ़ के पहाड़ मर्दिं रोड में नो एंट्री वाली जगह पर ट्रकों की रेक्की कर रहे थे।

फसल बीमा रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया गया रवाना



फसल बीमा के लिए आवेदन जा सकता है। फसल बीमा से संबंधित जानकारी के डोटेल पर जनर 1800-209-पर संस्करण किया जा सकता है। संचालन कृषि ने बताया कि इसके अलावा भूमि, खाद्य, खाद्य बदल, जलभराव, आकाशीय तथा ग्रामीण से फसल की क्षति एवं कटाई के उपरान्त आगामी तीनों तक खेत में सुखावाई हेतु फसल को आलादगी, तंत्र, बैराम वारिश के कारण तथा तिपर फसल बीमा योजना विस्तृत विवरण।

पचाना भयुर, आदर्श नगर,
सिकोलापाठा, धमथानाका सब्जी
मार्केट व अन्य क्षेत्रों की दुकानें
बंद रहीं। बंद समर्थक विश्व हैन्दू
परिषद, बजरंग दल, भजपा,
छत्तीसगढ़ चेम्बर और एक कार्मसुख
एवं हूद्दोदारी संगठनों द्वारा बंद
की पूर्ण सफल बताया गया
है उनका कहना था कि उदयगुरु-
हत्याकांड के खिलाफ दुर्ग शहर
के व्यापारियों ने अपनी प्रतिशत्तमें
बंद कर आक्रोश व्यक्त किया है।
बंद के दौरान विश्व हैन्दू परिषद

के प्रांतीय प्रतिनिधि अमरनंद
सुराना, नितिश चंद्राकर, बजरंग
दल प्रदेश संयोजक रतन यादव,
जिला भजपा अध्यक्ष जितेन्द्र
वर्मा, महामंत्री ललित चंद्राकर,
नटराज ताम्प्रकार, जिला भजपा
किसान मर्मों अध्यक्ष विनायक
ताम्प्रकार, पूर्वी महापौर चंद्रिका
चंद्राकर, जिला भजपा उपाध्यक्ष
संतोष सोनी, मंत्री देवेश देवांगन,
अनुप गटागत, शिव चंद्राकर,
आशीष निमजे, मुकेश बेलनंदन,
जिला भजपा अध्यक्ष नितेश

अशोक गाठी, बजरंग दल के रवि
निगम, अनिल सिंह, गौतम जैन,
कमल साव, अजय सेन, कुशल
शर्मा, अंतिश गोर, अपूर्व सिंह के
आलावा अन्य हिन्दूवादी संगठनों
के कार्यकारी सचिव्य रहे। बंद के
दौरान बंद समर्थकों में उदयसिंह
घटना के खिलाफ युग्म स्पष्ट
नजर आ रहा था। उनका यह युग्म
लगातार उनके नेतृत्वाजी से समर्पित
आ रहा था। बंद समर्थकों द्वारा
हत्याकांड के दोषियों को फांसी
की सजा देने की मांग की गई है।

मुख्यमंत्री को किये महज एक टवीट पर दिव्यांग सुशांत को तत्काल मिली राहत



किसी वरदान से कम नहीं है। समाज कल्याण विभाग द्वारा इनका यूडीआईडी कार्ड भत्तकाल बनाया गया। जिसका बताया गया कि सुशांत के दिव्यांगता का प्रकार मानसिक मंदता है तथा वह 60 प्रतिशत है। फिलहाल सुशांत की शिक्षा व्यवस्था प्राथमिक शाला शार्टिनगर में हो रही है। सुशांत को आवृत्ति के साथ सर्वे शिक्षा अधिभावना तक हत्ते उड़ाउड़ लेलाउंसे भी शिक्षण व्यवस्था के तहत दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त समाज कल्याण विभाग द्वारा स्पेशल एजुकेशन एप्लीकेशन देने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है।

श्री के.पी. शुक्ला को सेवानिवृत्ति पर दी गई भावभीनी विदाई



बिलासपुर । जिला कोषालय कार्यालय में पदस्थ सहायक कोषालय अधिकारी श्री के.पी. शुक्ला अधिवासिर्धी आयु पूर्ण करने के बाद शासकीय सेवा से निवृत हो गये । जिला कोषालय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत्त श्री शुक्ला का कार्यालय की ओर से भावभीती दिवाई दी गई । कार्यालय के विरह कोषालय अधिकारी श्री विकास सिंह ठाकुर एवं अधिकारी कोषालय अधिकारी श्री सौभित्र प्रधान ने श्री शुक्ला के सेवाकाल का समरण करते हुए स्वस्थ एवं सुखद जीवन के लिए शुभकामनाएं दी । इस अवसर पर सहायक कोषालय अधिकारी श्री संतोष कुमार यादव सहित कार्यालय के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे ।

बस्तर जिला प्रशासन ने कलेक्टर बंसल को दी गई भावभीनी विदाई



उहोंने बस्तर को ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक रूप से अत्यंत समुद्दर बताते हुए कहा कि बस्तर को इस समझ से पूरी विश्व को जनतायग करते हुए इसे जनतायग राजधानी के रूप में विकसित किया जा सकता है।



इसका एक उत्तम उदाहरण है। संयुक्त कलेक्टर श्री दिनेश नाग ने श्री बंसल के नेतृत्व में किंवद्दण एगे विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही कोष, लेखा एवं द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। कलेक्टर बंसल ने जिला पंचायत सीईओ को सौंपा कार्यभार

पेशन के संयुक्त संचालक धीरज नशीने, तोकापाल अनुविभागीय दण्डाधिकारी आस्था राजपृष्ठ सहित कलेक्टरोंटेर के कर्मचारियों ने भी इस अवसर पर कलेक्टर बंसल के साथ किए गए कार्य के दौरान अपने अनुभवों को साझा किया और उनके उत्तरवाल भविष्य की कामना की। जगदलपुर अनुविभागीय दण्डाधिकारी ओमप्रकाश वर्मा

